मिशन शिक्षण संवाद

विभिन्न विषयों पर आधारित रूचिपूर्ण,
शैक्षिक एवं उपयोगी बाल कविताएं।

बाल साहित्य सृजन

माह- मार्च 2024

#9458278429

संकलन - मिशन शिक्षण संवाद बाल साहित्य सृजन टीम

01/03/2024 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 अनमोल सम्पत्ति

किसान की अनमोल सम्पत्ति,
खेतों में लहलहा रही है।
पीले-पीले फूलों से लदी,
सरसों की फसल छा रही है।।

तरह-तरह की खुशबू से ,
बगिया उसकी महक रही है।
घर में देखो चिन्नी-मिन्नी,
खेल-खेल में चहक रही है।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2 गेहूँ की बालियाँ

गेहूँ की बालियाँ खेतों में,
चारो तरफ लहरा रही।
इस सुहावने मौसम में,
रबी की फसल पक रही।।

हरा-भरा खेत देखकर,
किसान प्रफुल्लित हो रहा।
मेहनत का फल पा कर,
हर तरफ खुशियाँ बाँट रहा।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3 हमारी फसलें

किसानों की मेहनत,
जब रंग लाती है।
खेतों में तब हरी-भरी,
फसल लहलहाती है।।

किसानों के चेहरों पर,
फिर खुशहाली आती है।
विभिन्न प्रकार की फसल
पककर तैयार हो जाती है।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 फसलें

भिन्न-भिन्न होते मौसम,
भिन्न-भिन्न होती फसलें।
रबी, जायद और खरीफ,
तीन प्रमुख होती फसलें।

फसलें नियत समय पर,
बोयी एवं काटी जाती है।
अनाज,दाल,फल,सब्जी,
सब फसलें कहलाती है।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

बाल साहित्य सृजन

1

गेहूँ

अक्टूबर, नवम्बर माह में,
बोया जाता है गेहूँ।
रबी की फसल,
कहलाता है गेहूँ।।

ट्रिटिकम एस्टिवम,
वैज्ञानिक नाम है गेहूँ का।
भारत दूसरा विशालतम,
उत्पादक है गेहूँ का।।

रचना-
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

2

मटर

खाने में है चटर–पटर,
मन को भाता खूब मटर।
देसी तड़का बने निमोना,
मटर करती स्वाद का टोना।।

जाड़े का स्वादिष्ट नाश्ता,
बने पराठे या फिर खस्ता।
मटर दाल भी बड़ी निराली,
आलू–मटर है बड़ी मतवाली।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 रुद्रपुर खजनी
गोरखपुर, खजनी

3

सरसों

शरद ऋतु की तिलहन फसल,
सरसों का है क्रूसीफेरी कुल।
पीले-पीले फूलों वाली फसल,
नाम इसका ब्रेसिका कम्पेस्ट्रिस।।

सितम्बर-अक्टूबर में हो बुवाई,
मार्च-अप्रैल में हो फसल कटाई।
18-25 डिग्री तापमान की फसल,
सरसों फायदे वाली है फसल।।

रचना-
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा०वि०टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

4

चना

चना सबके मन को भाता है,
कच्चा-पक्का सब कोई खाता है।
बेसन इससे बनता है,
लड्डू भी इससे बनता है।।

भुना चना है गुणकारी,
सत्तू भी है हितकारी।
डायबिटीज़ को कम करता है,
कब्ज को दूर करता है।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

04/03/2024

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1

गेहूँ

प्रमुख फसल अनाजों में,
शीत ऋतु में होती है।
दोमट मिट्टी है उपयोगी,
फसल गेहूँ की होती है।।

माह फाल्गुन का जब आता,
खेत सुनहरा-सा हो जाता।
पकी बालियाँ, हुई कटाई,
फसल गेहूँ की घर आयी।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

2

धान

धान फसल है प्रमुख एक,
यह भारत में बहुतायत उगाते।
चावल, खील, बनाते पोहा,
स्वादिष्ट बहुत से व्यंजन बनाते।।

समशीतोष्ण जलवायु चाहिए,
दोमट, मटियार मिट्टी में उगता।
कई प्रजातियाँ होती इसकी,
पोषक तत्वों का स्रोत होता।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

3

चना

दो प्रकार के चने हैं मिलते,
देशी और काबुली बच्चों।
देशी भूरे रंग का होता,
और काबुली श्वेत है बच्चों।।

दाल और सब्जी बनती है,
बेसन इसका हो स्वादिष्ट।
कढ़ी, मिठाई अन्य व्यंजनों,
में प्रयोग होता, ये वरिष्ठ।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

4

जौं

जौं है घास परिवार की फसल,
मोटा अनाज कहलाता है।
पेट की गर्मी शान्त करता,
सर्दियों में बोया जाता है।।

विटामिन, मिनरल्स से भरपूर,
विभिन्न रोगों को दूर भगाता।
धीरे-धीरे होता इसका पाचन,
शरीर को यह स्वस्थ बनाता।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

05.03.-2024

बाल साहित्य सृजन

मंगलवार

1

अनाज

यह कृषि से पैदा होता,
एकबीज पत्री कहलाए।
छोटा, कठोर, सूखा बीज,
मानव, पशु के काम आए।।

भोजन का मुख्य आहार,
शरीर को ऊर्जा करे प्रदान।
प्रोटीन, वसा, विटामिन मिलते,
स्वास्थ्य के लिए हैं वरदान।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

2

दलहन

दलहनी फसलों से,
प्राप्त होती दालें।
कर शामिल आहार में,
प्रोटीन हम पा लें।।

अरहर, चना, मूंग, मसूर,
दालें प्रोटीन से भरपूर।
चावल के संग स्वाद बने,
कुपोषण से रहते दूर।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- जारी (भाग- 1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

3

पशु चारा

पालतू पशु जो है खाए,
पशु चारा है कहलाए।
गाय, भैंस-बकरी को भोजन,
24 घण्टे में खिलाया जाए।।

आवश्यकता की पूर्ति करता,
पशुओं को स्वस्थ रखता।
दाना-चारा जिसमें आता,
पशु आहार भी कहलाता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

4

धान

पानी अधिक फसल चाहे,
बोया पहले इसको जाए।
उगी पौध उखाड़ बारिश में,
खेत नये में रोपा जाए।।

अलग-अलग कई नामों से,
अच्छी किस्में पायीं जाती।
धान से चावल और मुरमुरे,
पोहा, खील बनायीं जाती।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

06/03/2024

बाल साहित्य सृजन

बुधवार

1

मक्का

मक्का भुट्टे के रूप मे होता,
इसे बड़े शौक से खाया जाता।
पहाड़ो,मैदानो पर पैदा होता,
हरा दुशाला जैसे पहना रहता।।

तीसरी मुख्य फसल भारत की,
इसकी उपयोगिता कमाल की।
आंध्र प्रदेश, कर्नाटक मे होता,
पर जम्मू-कश्मीर मे महत्व रखता।।

रचना
इला सिंह (स0अ0)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा,
अमौली,फतेहपुर।

2

चना

चना रवी की फसल होती है,
अक्टूबर तक बुवाई होती है।
हरा चना भी खाया जाता,
साग भी इसका बनाया जाता।।

कई तरह की नमकीन है बनती,
खाने में स्वादिष्ट बहुत लगती।
चने का बेसन है बनता,
पकौड़ी बन कढ़ी में डलता।।

रचना
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

3

गेहूं

विश्व की प्रमुख फसल,
गेहूँ मानी जाती।
रवी की यह फसल,
शीत ऋतु में उगायी जाती।।

गेहूँ के दानों को पीसकर,
आटे से रोटी बनायी जाती।
प्रोटीन इसमें होता भरपूर,
दलिया भी इससे बनायी जाती।।

रचना
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रानियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4

धान

धान एक खरीफ फसल,
जुलाई माह में बोया जाता।
अनाज तैयार 4 महीने में,
अक्टूबर माह में काटा जाता।।

आपको जानकर होगी हैरानी,
यह चीनी देश से चल कर आया।
सरबती, बासमती, पूसा,पंत की,
खुशबू समूचे भारत में लहराया।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

बाल साहित्य सृजन

1

बाजरा

बाजरे से बनी हुई,
रोटी, खिचड़ी, चूरमा।
सर्दी में शौक से खाते,
बड़े बड़े सब सूरमा।।

न सिर्फ खाने में आता,
है यह अद्भुत औषधि।
खाने की इच्छा है बढ़ाता,
दर्दनिवारक औषधि।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2

दाल

विभिन्न प्रकार की दालें,
भारत में प्रयोग की जाती हैं।
अरहर, मूँग, उड़द, आदि की,
बहुतायत मात्रा में उपज होती है।

विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व,
हर प्रकार की दालों में पाए जाते हैं।
प्रोटीन व विटामिन दालों में,
मुख्य रूप से पाए जाते हैं।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3

धान की फसल

रबि की फसल होती है धान,
समय जुलाई से अक्टूबर मान।
चावल, चूड़ा इससे है बनता,
पुलाव, इटली-डोसा पकवान।।

धान रोपाई होती है खास,
अधिक पानी की होती प्यास।
सरबती, बासमती नाम पहचान,
धान की अच्छी किस्में है जान।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4

तिलहन फसलें

तिलहन की फसलों से,
तेल निकाला जाता है।
सोयाबीन,सूरजमुखी, तिल,
सरसों का नाम आता है।।

किसानों को फायदा होता,
नकदी ये फसलें कहलाती।
देश में होती खपत और,
बाहर भी हैं भेजी जाती।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · मिशन शिक्षण संवाद · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

08/03/2024 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

चावल की फसल

धान फसल है एक प्रमुख,
जिससे चावल निकाला जाता।
भारत सहित कई देशों में,
प्रेम से चावल खाया जाता।।

गर्म और नम जलवायु हो
तो, उगता यह हर हाल में।
सबसे ज्यादा होता चावल,
राज्य "पश्चिमी बंगाल" में।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2

चने की फसल

चने की फसल खेतों में,
हर तरफ लहरा रही।
रबी की फसल खेतों में,
कटने को तैयार हो रही।।

ठण्डी जलवायु की फसल,
दोमट मिट्टी में बोयी जाती।
चना एक दलहनी फसल,
कम पानी में बोयी जाती।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3

सरसों की फसल

पीली सरसों की फसल,
जब खेतों में लहराती है।
सोने जैसी चमक फिर,
चारों ओर छा जाती है।।

लगता ऐसा धरती पर,
ईश्वर ने कृपा बरसायी हों।
जीवन में सबके खुशियाँ भरने,
खेतों में फसलें लहरायी हों।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

फसलें

सर्दी होने लगी खत्म,
फ़िज़ा में भरने लगे रंग।
खेतों में पक रही फसलें,
चहुँ ओर छा रहीं उमंग।।

पक गयी है सरसों पीली,
लहरा रहीं गेहूँ की बाली।
आम्र मँजरी से लदे वृक्ष,
चहुँ ओर फैल रही हरियाली।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

09.03.2024

बाल साहित्य सृजन

शनिवार

1

कपास

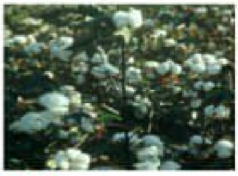

नरम रोएँदार प्राकृतिक,
फाइबर है कपास।
कपड़ा बनाने के लिए,
उपयोग किया जाता है कपास।।

सबसे अधिक भारत में,
कपास की पैदावार होती है।
इसके लिए भरपूर धूप,
व मध्यम वर्षा आवश्यक होती है।।

रचना-
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

2

सनई

सनई की है बात निराली,
सड़े गले जब पकती नाली।
इससे सब्जी भी बनती है,
रस्सी बनती गांठ से खाली।।

दलहन फसल में बोई जाती,
भारत के मध्य में है उपजती।
रेशेदार फसल उपजाऊ ये,
मचिया,खटिया तांत इससे बने।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 रुद्रपुर खजनी
गोरखपुर, खजनी

3

जूट

पटसन, पटुआ, है जूट,
खरीफ फसल है जूट।
गंगा ब्रह्मपुत्र की जलोढ़,
मिट्टी में होता है जूट।।

टाटपट्टी, झोला, बनता,
दरी, रस्सी आदि में जूट।
सुनहरे रेशेदार फसल,
पूर्वी भारत में होता जूट।।

रचना-
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

4

तिल

तिलहनी फसल है तिल,
काले रंग का होता है तिल।
भारत की प्राचीन फसल है,
यह झाड़ी आकार की फसल है।।

कफ पित्त नाशक तिल होता है,
पाचन सम्बन्धी क्षमता बढ़ाता है।
विटामिन बी, ई पाया जाता है,
रोग प्रति रोधक क्षमता बढ़ाता है।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

बाल साहित्य सृजन

1

मटर

हरी-भरी मटर की सब्जी,
सबको बहुत है भाती।
पूरी संग तो इसकी सब्जी,
बहुत अधिक खायी जाती।।

मटर पनीर, मटर मशरूम,
पाव-भाजी, मिक्स वेज बनाते।
बच्चों को यह भाती खूब,
सभी सब्जियों संग पकाते।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

2

मसूर

लाल दाल से है मशहूर,
शक्तिवर्धक होती है।
कब्ज व रक्त के रोगों में,
लाभकारी होती है।।

तासीर गर्म होती है इसकी,
सर्दियों में खाओ खूब।
हींग, जीरा का तड़का लगाओ,
स्वाद बनाओ इसका खूब।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

3

राई

तिलहन की है फसल एक,
जिसको राई कहते हैं।
सरसों की ही एक प्रजाति,
पत्तों से साग बनाते हैं।।

भारत के कुछ राज्यों में,
खूब उगायी जाती है।
अचार, दाल, व्यंजनों में,
भी प्रयोग में लायी जाती है।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

4

मूँगफली

मूँगफली बरसात में होती,
होती है रुचिकर, स्वादिष्ट।
इससे बहुत व्यंजन बनते,
अधिक जो खाओ होय गरिष्ट।।

लड्डू, पपड़ी इससे बनते,
इसका खाद्य तेल है बनता।
गुड़ संग खाओ हानि न होवे,
सर्दी में गुणकारी रहता।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

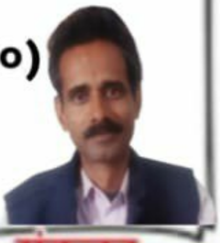

12.03.2024

बाल साहित्य सृजन

मंगलवार

1

मटर

हरी फली कच्ची भी खाते,
दानों की सब्जी भी बनाते।
उबली मटर की चाट मिलती,
दाल बनाने को मटर सुखाते।।

लेग्युमिनेसी वंश की होती,
फली दानों से भरी होती।
पाइसम-सैटिवम वैज्ञानिक नाम,
खोखला तना, जड़ में गाँठ होती।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

2

रमास

शाक विशेष होती जो,
कहलाती वह रमास।
सब्जी-दाल बने इसकी,
स्वाद होता लाजवाब।।

फाइबर-आयरन भी मिले,
विटामिन मिले भरपूर।
दिल की बीमारी हो नहीं,
जो रमास मिले भरपूर।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

3

ज्वार

श्री अन्न, मोटा अनाज,
जुन्डी भी कहलाता है।
ज्वार के दानों को,
उबालकर खाया जाता है।।

इसके आटे की रोटी,
शरीर पुष्ट बनाती हैं।
खरीफ के मौसम में ,
ज्वार उगायी जाती है।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- जारी (भाग- 1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

4

सरसों

पीले-पीले फूल लगे,
खेतों में लहराती है।
सरसों के फूलों में,
तितली मँडराती है।।

सरसों से तेल बनाते,
उससे हम भोजन पकाते।
इसकी खेती लाभदायक,
किसान इसकी फसल उगाते।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • मिशन शिक्षण संवाद • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •

13/03/2024 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

साबूदाना

सागो पाम पेड़ के तने से,
सफेद साबूदाना है बनता।
पूर्वी अफ्रीका की धरोहर,
अब पूरे विश्व में है मिलता।।

सुपर एनर्जी देता यह हमको,
कार्ब युक्त अनाज कहलाता।
खीर, खिचड़ी, पापड़ बनाकर,
इसका उपयोग खूब किया जाता।।

रचना-
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना,
बागपत, बागपत

2

अलसी

रेशेदार फसलों में इसका,
महत्वपूर्ण स्थान होता।
अलसी नाम इसका,
गुणों से जो भरपूर होता।।

इसके रेशों से डोरी बनाते,
बीजों से तेल निकालते।
अलसी का जो सेवन करता,
रोगों से वह दूर रहता।।

रचना-
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

3

काबुली चना

काबुली चना है एक दाल,
छोटा और गोल है आकार।
दक्षिणी एशिया मे यह होता,
खाने मे बड़ा स्वादिष्ट लगता।।

होता स्वास्थ्य के लिए अच्छा,
चावल का है यह दोस्त सच्चा।
डायबिटीज ,दाँतो मे देता आराम,
काबुली चना का बहुत है नाम।।

रचना-
इला सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

4

राजमा

रविवार का दिन आया,
मम्मी ने चावल राजमा बनाया।
सबकी प्लेटों में लगाया,
खाकर बड़ा मजा आया।।

प्रोटीन फाइबर इसमें होता,
स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता।
रवि की फसल कहलाती है,
उत्तर भारत में खूब बोई जाती है।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

14/03/2024

गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1

ज्वार

कम वर्षा में उगने वाला,
होता है यह मोटा अनाज।
पशु हो या मानव हो,
खाता है इसे पूरा समाज।।

कम वर्षा में उगने वाला,
है यह महत्वपूर्ण आहार।
फाइबर होता है बहुतायत,
कहलाता है यह ज्वार।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2

गेहूँ

कृषि प्रधान देश भारत,
विभिन्न फसलों को उगता है।
गेहूं उनमें से एक प्रमुख,
उत्पादक के रूप में जाना जाता है॥

भारत चीन के बाद विश्व में,
दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है।
पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश,
गेहूं के मुख्य उत्पादक क्षेत्र हैं।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3

सरसों

पीली पीली यह सरसों
चमक अपनी दिखती है।
बसंत आया है चमन में,
लहराकर सबको बताती है।।

रबी की फसल है सरसों,
ठण्डी मानसून में बोई जाती।
तिलहन के यह काम आये,
तेल प्रति को, पेराई की जाती।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4

मक्का

मक्का मुख्य खाद्य फसल,
मोटे अनाज में आता है।
बलुई और दोमट मिट्टी में,
खूब उगाया जाता है।।

भुट्टा, पॉपकॉर्न, रोटी के,
रूप में यह खाया जाता है।
खाद्यान्न फसल के अलावा,
इससे स्टार्च बनाया जाता है।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

15/03/2024 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

कपास

एक महत्वपूर्ण फसल,
होती है कपास की।
श्वेत स्वर्ण के नाम से जानें,
खेती हम कपास की।।

सबसे ज्यादा खेती इसकी,
महाराष्ट्र में होती है।
हल्की दोमट मिट्टी में,
इसकी खेती होती है।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2

बाजरा

गर्म मौसम की फसलों में,
बाजरा एक मुख्य फसल है।
भारत की विशेष फसलों मे,
जायद की यह फसल है।।

रोटी-दलिया बनाने में,
इसका प्रयोग किया जाता।
मोटे अनाज के रूप में,
इसको खूब खाया जाता।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3

जायद की फसलें

तरबूज, खीरा, हरी सब्जियाँ,
जायद की फसलें कहलाती हैं।
मार्च, अप्रैल माह में यह फसलें,
मुख्य रूप से बोई जाती हैं।।

गर्म और शुष्क मौसम में,
ये फसलें उगायी जाती हैं।
पूरे उत्तर भारत में जायद की,
फसलें लगाई जाती हैं।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

रबी की फसल

चना, सरसों, गेहूँ, मटर आदि,
रबी की फसल कहलाती।
अक्टूबर-नवम्बर मे बोते,
फरवरी-मार्च मे काटी जाती।।

चना एक दलहन फसल,
सरसों, तिलहन कहलाती।
फाइबर का स्त्रोत है गेहूँ,
मटर की सब्जी बनायी जाती।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

16.03.2024

बाल साहित्य सृजन

शनिवार

1

सूरजमुखी

सूरजमुखी के पौधों में,
विटामिन ई पाया जाता है।
इसमें उपस्थित एन्टीऑक्सीडेंट,
त्वचा को लाभ पहुंचाता है।।

सूरजमुखी के बीज को,
सुपरफूड भी कहा जाता है।
इनका नियमित सेवन,
हड्डियों को मजबूत बनाता है।।

रचना-
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

2

अलसी

अलसी पौधा रेशेदार,
मोटे कपड़े हो तैयार।
टाट या रस्सी इससे बनती,
इससे तेल भी हो तैयार।।

वार्निश,रंग साबुन या पेंट,
बनता इससे परमानेंट।
औषधि रूप में काम ये आता,
बीमारियों को दूर भगाता।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 रुद्रपुर खजनी
गोरखपुर, खजनी

3

मूँगफली

पौष्टिक तत्वों से भरपूर,
कैल्शियम, फॉस्फोरस प्रचुर।
मूंगफली होती बड़ी गुणकारी,
प्रोटीन का इसमें है बाहुल्य।।

एंटीऑक्सीडेंट गुण वाली,
प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली।
सेहत का मूंगफली खजाना,
सर्दियों में खाना रोजाना।।

रचना-
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

4

सोयाबीन

प्रोटीन से भरपूर है सोयाबीन,
पाचन को ठीक रखे सोयाबीन।
स्वास्थ्य के लिए है गुणकारी,
बच्चों के लिए भी है लाभकारी।।

मांसपेशियों को करती है मजबूत,
फाइबर का अच्छा है स्रोत।
हृदय रोग करता है दूर,
एंटीआक्सीडेंट के गुण मिलते भरपूर।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

18/03/2024

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1

रागी

एशिया और अफ्रीका के यह,
सूखे क्षेत्रों में उगता है।
रागी या मडुआ कहलाता,
एक बरस में पकता है।।

कर्नाटक, उत्तराखण्ड, आन्ध्र में,
रागी का सर्वाधिक उपभोग।
डबल रोटी, डोसा, मदिरा को,
बना रहे खाने को लोग।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

2

बाजरा

मोटे अनाज में होती गिनती,
बहुत गुणकारी होता बाजरा।
राजस्थान की मुख्य फसल,
भाता सबको अनाज बाजरा।।

सर्दियों में मुख्य होता बाजरा,
रोटी खिचड़ी में बनता बाजरा।
इसको खाओ प्रतिदिन तुम,
पौष्टिक तत्वों के असंख्य गुण।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

3

अलसी

अलसी को तीसी भी कहते,
होती बहुत गुणकारी यह।
कफनाशक और वातनाशक,
रोगों में लाभकारी यह।।

छोटे-छोटे बीज हैं होते,
भूनें, पीसे, खायें सब।
मिलें तेल और औषधि इससे,
खाकर लाभ उठायें सब।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

4

मक्का

रंग-बिरंगी होती मक्का,
मोटा अनाज कहलाती है।
की प्रजातियाँ इसकी होती,
चाव से खायी जाती है।।

भुट्टे खाते बड़े शौक से,
पॉपकार्न भी बनाते हैं।
आटे की बनवाते रोटी,
पौष्टिक व्यंजन पकाते हैं।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

19.03.2024

बाल साहित्य सृजन

मंगलवार

1

मूँग

छोटे-गोल-अण्डाकार,
होती है मूँग की दाल।
साबुत या धुली मूँग,
पोषक तत्व होती भरपूर।।

साबुत मूँग बीज होती,
धुली मूँग भी खायी जाती।
कोमरी, मंगोड़ी घर-घर बनती,
बहुत चाव से खायी जाती।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

2

अरहर

दाल बहुत सभी को भाती,
चावल के संग बहुत सुहाती।
साँवर इसका बनता है,
सब्जी ड़ालकर पकता है।।

अरहर की लकड़ी ईंधन बनती,
सुखी चूल्हे में भी जलती।
दाल बजन घटाती है,
पाचन अच्छा करती है।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ०प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

3

उरद

उरद और माष कहलाती,
वर्षा के आरम्भ में बोयी जाती।
फलियों से बनाते हैं भाजी,
बीज की दाल खायी जाती।।

कई गुणों से यह भरपूर,
रोगों को यह रखती दूर।
कई व्यंजन इससे बनाना,
भोजन में नियमित अपनाना।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

4

मसूर

वानस्पतिक नाम है इसका,
बच्चों लेन्स एस्क्युलेन्टा।
कार्बोहाइड्रेट और फाइबर से,
भरपूर मसूर है होता।।

प्रकृति इसकी शुष्क, गर्म,
पाचन नियमित करता।।
दलहन की फसल मसूर,
सेवन लाभकारी होता।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०-जारी (भाग-1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

बाल साहित्य सृजन

1

चावल

चावल देश की मुख्य फसल,
धान नाम से भी जानी जाती।
खरीफ की फसल कहलाती,
पूरे देश मे चाव से खायी जाती।।

बारिश के समय बोई जाती,
शीत ऋतु से पहले कटती।
पश्चिम बंगाल मे खूब होती,
विदेश मे भी यह भेजी जाती।।

रचना
इला सिंह (स0अ0)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा,
अमौली,फतेहपुर।

2

मटर

रवी की फसल मटर की होती,
हरी और पकी हुई होती।
मटर डाल पुलाव जब बनता,
खाने में स्वादिष्ट खूब लगता।।

मम्मी मटर की चाट बनाती,
नींबू डाल प्लेट में लगाती।
बच्चों के संग खुद भी खाती,
रविवार के दिन बनाती।।

रचना
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

3

गन्ना

नकदी फसलों में,
गन्ने का स्थान आता।
खरीफ की फसलों में,
गन्ने का भी नाम आता।।

गर्मी का जब मौसम आता,
गन्ने का जूस सबको भाता।
गुड़ भी इससे बनाया जाता,
खाने में जो स्वादिष्ट लगता।।

रचना
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रानियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4

सरसों

पीली रंग के सरसों,
खेतों में लहलहाती।
तेल का प्रमुख स्रोत,
जाड़े में यह बोई जाती।।

काली और पीली सरसों,
दो प्रमुख है इसके प्रकार।
औषधि गुणों से भरपूर यह,
हम सबके लिए है एक उपहार।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

21/03/2024 गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1 ज्वार

कम वर्षा में उगने वाला,
होता है यह मोटा अनाज।
पशु हो या मानव हो,
खाता है इसे पूरा समाज।।

कम वर्षा में उगने वाला,
है यह महत्वपूर्ण आहार।
फाइबर होता है बहुतायत,
कहलाता है यह ज्वार।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2 मक्का

मक्का एक प्रमुख खाद्य फसल है जो,
मोटे अनाजों की श्रेणी में आता है।
भारत में देशी भाषा में मक्का को,
भुट्टे के नाम से भी जाना जाता है।।

भारत में पॉपकॉर्न, स्वीटकॉर्न आदि,
सात प्रकार का मक्का पाया जाता है।
बिहार, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश आदि में,
सर्वाधिक मात्रा में उत्पादन होता है।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3 आलू

रबी की फसल होता है आलू,
अकालनाशक भी कहलाता।
बच्चे हों या फिर हों बड़े,
आलू तो सबके मन को भाता।।

सिंचाई, खाद अच्छी इसे भाये,
उत्तर प्रदेश, बिहार खूब उगाये।
कई खाने के फैक्ट्रियों का,
कच्चा माल आलू बन जाये।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4 कपास

नकदी फसलों में ये आती,
सफेद सोना भी कहलाती।
पीले सफेद फूलों वाली,
फसल ये कपास कहलाती।।

कपास से बनती रुई, जिससे,
सूती कपड़े बनाये जाते।
गुजरात और महाराष्ट्र राज्य,
खूब कपास हैं उगाते।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद
• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • मिशन शिक्षण संवाद • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •
22/03/2024 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

बाजरा

भारतीय फसलों में होती,
प्रमुख फसल यह बाजरा।
आओ बच्चों! जान लें,
इसको हम भी आज जरा।।

सीमित वर्षा में हो जाती
बहुत ही कम लगती है खाद।
मोती जैसे इसके दाने,
रोटी इसकी लगती स्वाद।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2

अलसी

विभिन्न रेशेदार फसलों में,
अलसी का प्रमुख स्थान है।
विभिन्न तिलहनी फसलों में,
इसके बीज लाभदायक है।।

जड़ी-बूटियों को बनाने में,
इसका प्रयोग किया जाता।
खाद्य पदार्थो को बनाने में,
तेल का प्रयोग किया जाता।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3

फसलें

भारत में मुख्य रूप से तीन,
प्रकार की फसलें होती हैं।
रवि, खरीफ और जायद।
मुख्य फसलें कहलाती हैं।।

मानसून का व्यापक प्रभाव,
इन फसलों पर पड़ता है।
किसान भी निरन्तर खेतों में,
कड़ी मेहनत करता है।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

मूँगफली

तिलहन फसल है मूँगफली,
खरीफ फसल कहलाती है।
मानसून, बारिश के मौसम में,
नम मिट्टी में बोयी जाती है।।

छिलके में बन्द होता दाना,
जाड़ों की मेवा कहलाती है।
तेल से बनते खाद्य पदार्थ,
खल से खाद बनायी जाती है।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · **मिशन शिक्षण संवाद** · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

23.03.2024

बाल साहित्य सृजन

शनिवार

1

अरहर

अरहर की दाल को,
तुअर भी कहा जाता है।
इसमें पोषक तत्व,
पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है।।

यह सुगमता से,
पचने वाली दाल है।
यह इम्यून सिस्टम को,
बढाने वाली दाल है।।

रचना-
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

2

मसूर

सुपाच्य रहता दाल मसूर,
कब्ज़ दस्त को करता दूर।
रक्तवर्धक होता है मसूर,
रक्त करे गाढ़ा भरपूर।।

प्रोटीन है इसमें पाया जाता,
पेट विकार दूर भगाता।
भारत की है प्रमुख उपज,
दाल है ये स्वस्थ वर्धक।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 रुद्रपुर खजनी
गोरखपुर, खजनी

3

उड़द

उड़द दलहन है फसल,
खरीफ की होती फसल।
जुलाई में बोयी जाती,
जायद की भी है फसल।।

दर्द निवारक क्षमता वाली,
अच्छी नींद दिलाने वाली।
पापड़, बड़े बनती इमरती,
उड़द से डोसा इडली बनती।।

रचना-
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

4

मूँग

पोषक तत्वों का भण्डार है,
अंकुरित मूंग उत्तम आहार है।
प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन,
विटामिन मिलते अपार हैं।।

खरीफ की यह फसल है,
ग्रीष्म कालीन यह फसल है।
गोल और हरा दाना होता है,
सुपाच्य भोजन यह होता है।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

बाल साहित्य सृजन

1 अरहर

तुअर दाल कहलाती अरहर,
कब्ज़, श्वांस रोग लेती हर।
कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम भरपूर,
रखती है रोगों से दूर।

प्रोटीन का सस्ता साधन है,
पौधे का हर भाग उपयोगी।
सूखी लकड़ी ईंधन बनती,
अरहर सबको अच्छी लगती।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

2 मूँग

है खरीब की फसल मूँग ये,
सभी जगह होती भाई।
मूँग दाल स्वादिष्ट, पौष्टिक,
सबके मन को यह भायी।।

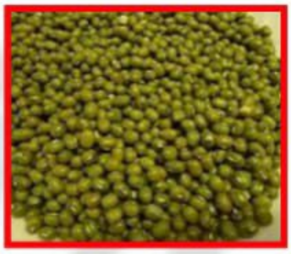

होता है प्रोटीन बहुत ही,
इसमें, तन की वृद्धि करे।
नव ऊर्जा हो सृजित वदन में,
तन-मन में उत्साह भरे।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

3 सरसों

कई रूप में सरसों होती,
हरी-हरी पत्तेदार होती।
मक्का की रोटी का बढ़े स्वाद,
खाते बनाकर सरसों का साग।।

दाना रूप भी होता प्रयोग,
लगता इससे सब्जियों में छौंक।
पूरी, पकवान, पकौड़ी तलते,
सरसों तेल से व्यंजन बनते।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

4 सोयाबीन

प्रोटीन का अनमोल खजाना,
दालों की श्रेणी में यह।
ग्लाईसीन वानस्पतिक नाम,
शाकाहारी का माँस है यह।।

विश्व में अमेरिका और,
महाराष्ट्र भारत में।
सर्वाधिक उत्पादन करते,
उपयोगी यह रोगों में।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • **मिशन शिक्षण संवाद** • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •

26.03.2024

बाल साहित्य सृजन

मंगलवार

1

राई

तिलहन की एक फसल है राई,
कभी-कभी सरसों कहलायी।
सरसों के काले बीज है राई,
तड़के के जो काम है आयी।।

बीज पीसकर बनता तेल,
चक्रण का है सारा खेल।।
कभी बीज से पौधा बनता,
फिर पौधे से बीज है मिलता।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ०प्रा०वि० जारी भाग- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

2

सौंफ

सौंफ की सुगन्ध प्यारी,
इससे महके घर की क्यारी।
सौंफ का सेवन सबको भाता,
खाने के बाद यह स्वाद बढ़ाता।।

यह अचार में डाली जाती,
मसाले के रूप में काम आती।
स्वास्थ्य के लिए लाभकारी,
पान में खाते सौंफ-सुपारी।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

3

भुट्टा

मक्का की फसल में भुट्टा,
दानों से भरा होता है।
कवर बाल और छिलकों का,
दानों पर चढ़ा होता है।।

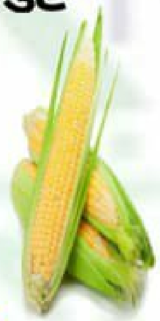

भुट्टा हम भूनकर खाते,
कच्चे दानों के भुट्टे उबाले जाते।
पका दाना अनाज बन जाता,
आटा से रोटी कई व्यञ्जन खिलाता।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

4

गन्ना

नकदी फसल गन्ना कहलाता,
किसानों के मन खूब है भाता।
दोमट मिट्टी में बोया जाता
विश्व की प्रमुख फसल है होता,

गुड-चीनी गन्ना से बनता,
गन्ना का रस बहुत है भाता।
पीलिया रोग को दूर भगाता,
पोषक गुण से भरपूर है होता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • **मिशन शिक्षण संवाद** • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •

27/03/2024

बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

कुट्टू

कुट्टू का आटा फलहारी,
अन्न उपवास का कहलाता।
पकौड़ी,चीला,डोसा बनाकर,
इसका सेवन किया जाता।।

कुट्टू अर्थ बकवीट पौधा,
जिसके फूल सफेद होते।
नार्थ और ईस्ट इंडिया के,
खेतों में पैमाने में बोये जाते।।

रचना-
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना,
बागपत, बागपत

2

मूँग

प्रमुख रूप से भारत में,
मूँग की खेती की जाती।
पोषक तत्वों की मात्रा इसमें,
भरपूर पायी जाती।।

विभिन्न प्रकार के व्यंजन।
मूँग की दाल से बनाए जाते।
मूँग के हलवे का करते सेवन,
कभी खिचड़ी इसकी बनाते।।

रचना-
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

3

ज्वार

ज्वार आता बड़े ही काम,
जोन्हरी,जुंडी इसके नाम।
कम बारिश मे यह हो जाती,
बड़े ही चाव से खायी जाती।।

प्रोटीन, विटामिन इसमे भरपूर,
बच्चो इसके फायदे जानो जरूर।
हार्ट अटैक से हम सबको बचाती,
वजन घटाने मे भी काम यह आती।।

रचना-
इला सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

4

तिल

खरीफ की फसल तिल की होती,
जुलाई महीने में बुवाई होती।
साल भर में तीन बार फसल होती,
पानी की भी कम जरूरत होती।।

किसानों के लिए लाभकारी होता,
तेल तिल का महंगा जो होता।
लड्डू भी तिल के बनते हैं,
खाने में जो स्वादिष्ट लगते हैं।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

आपका दिन शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

28/03/2024

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1 चना

एक प्रमुख दलहनी फसल,
कहलाता है वो चना।
स्वादिष्ट होता है यह,
बेसन भी इससे है बना।।

विटामिन, मिनिरल और फायबर,
प्रोटीन की है यह खान।
वजन को नियंत्रण करता,
दुर्बल में यह डाले जान।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2 मूँगफली

एक प्रमुख तिलहन मूंगफली,
प्रोटीन का अच्छा स्रोत है।
मूंगफली तेल, फाइबर व
विटामिन आदि से भरपूर है॥

मूँगफली को अंग्रेजी में पीनट,
या ग्राउंड नट कहा जाता है।
मूंगफली को एराचिस हाइपोगिया के,
वैज्ञानिक नाम से पहचाना जाता है॥

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3 सोयाबीन

दालों में आता है सोयाबीन,
इसमे मिलता भरपूर प्रोटीन।
सब्जी मंचूरियन से बनाओ,
शरीर में ऊर्जा इससे लाओ।

सोयाबीन में तेल भी मिलता,
ग्लाईसीन वास्तविक नाम इसका।
कोलेस्ट्रॉल, मधुमे ये है घटाता,
वजन घटाने के काम है आता।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4 मटर

मटर सब्जी और दाल की,
तरह उगायी जाती है।
फलीदार फसल ये होती,
कई तरह से खायी जाती है।।

मटर की फसल को पानी,
कम लगाया जाता है।
फली टूटने के बाद पौधा,
चारे के काम आता है।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

29/03/2024

बाल साहित्य सृजन

शुक्रवार

1

फसल

कोई पौधा जब बड़े,
पैमाने पर उगाया जाता है।
उसको ही बच्चों! फसल के,
नाम से जाना जाता है।।

कृषि का व्यवसाय करके,
लाभ कमाया जाता है।
खरीफ, रबी, जायद के रूप में,
फसलों को बाँटा जाता है।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2

फसलों के प्रकार

भारत में मुख्य रूप से,
दो फसले बोयी जाती।
समय चक्र के अनुसार,
इनकी बुआई की जाती।।

गेहूँ और मक्का को,
रबी की फसल कहते।
चावल और गन्ना को,
खरीफ की फसल कहते।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3

नकदी फसलें

जो फसलें व्यापार के उद्देश्य से,
किसानों द्वारा लगायी जाती है।
प्यारे बच्चों! वो फसलें,
नकदी फसलें कहलाती हैं।।

जूट, कॉफी, गन्ना, कपास आदि
नकदी फसलें कहलाती है।
ये फसलें किसानों को बहुत,
अधिक फायदा पहुँचाती हैं।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

गन्ना

मीठा-रसभरा होता गन्ना,
खेतों में लहराता गन्ना।
हरी-भरी पत्तियाँ इसकी,
3-4 मीटर का होता गन्ना।।

उपयोगी फसल है गन्ना,
चीनी-गुड़ बनाता गन्ना।
पशुओं को मिलता चारा,
नकदी फसल है गन्ना।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

• आओ हाथ से हाथ मिलाएं • **मिशन शिक्षण संवाद** • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं •

30.03.2024 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1 फसलें

जब एक ही प्रजाति के,
पौधों की खेती।
व्यवस्थित ढंग से की जाती है,
फसल कहलाती हैं।।

मौसम के आधार पर,
फसलें तीन प्रकार की होती हैं।
जो रबी, खरीफ और जायद की,
फसल कहलाती हैं।।

रचना-
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

2 खरीफ

खरीफ की फसलें बो देते हैं,
धान प्रमुख उसकी है फसल।
गन्ना, मूंग, कपास या उड़द,
ज्वार,बाजरा कपास का फल।।

बहुफासलों को खरीफ में बोते,
अक्टूबर में ये काटे हैं जाते।
वातावरण आर्द्र शुष्क होता है,
अधिक पैदावार तभी हम पाते।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 रुद्रपुर खजनी
गोरखपुर, खजनी

3 रबी

अक्टूबर नवंबर में बोयी जाती,
कम तापमान में बोयी जाती।
ठण्डी जलवायु होती जरूरी,
खुश्क मौसम में काटी जाती।।

गेहूं, जौ, चना व मटर,
सरसों, अलसी, अरहर।
दालें तिलहन फसलों वाली,
रबी आलू की फसल।।

रचना-
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

4 जायद

भारत में हैं तीन प्रकार की फसलें,
रवि, खरीफ, जायद की फसलें।
जायद की फैसले होती गर्मी में,
तरबूज, खरबूजा, होती गर्मी में।।

मार्च-अप्रैल में बोई जाती हैं फसलें,
उड़द, मूंग, सूरजमुखी, खीरा की फसलें।
तेज गर्मी, शुष्क हवाएं सहती फसलें,
जून माह में कटती जायद की फसलें।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

रचनाकारों की सूची

1- शिखा वर्मा, सीतापुर
2- भावना शर्मा, मेरठ
3- जुगल किशोर, झाँसी
4- सीमा शर्मा, बागपत
5- नैमिष शर्मा, मथुरा
6- उमा ठाकुर, मथुरा
7- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
8- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा
9- आरती यादव, कानपुर देहात
10- इला सिंह, फतेहपुर
11- नीलम भास्कर, बागपत
12- माला सिंह, मेरठ
13- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
14- वन्दना यादव, जौनपुर
15- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
16- ज्योति सागर, बागपत
17- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
18- अमित गोयल, बागपत
19- अनुप्रिया यादव, फतेहपुर
20- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
21- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
22- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
23- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
24- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा
2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम